

**क्रमांक 350-ज-(II)-84/9134**—श्री मंगला राम, पुत्र श्री डेडा राम, गांव मुनिहिया खेड़ा, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़, की दिनांक 4 सितम्बर, 1979, को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मंगला राम की मूलिंग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 3100-आर-4-67/2634, दिनांक 2 अगस्त, 1967 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सदा कौर के नाम रखी, 80 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 118-ज(I)-84/9138**—श्री आसा सिंह, पुत्र श्री रोडा सिंह, गांव राजपुरा, तहसील जगाधरी जिला अमृताला की दिनांक 13 मार्च, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री आसा सिंह की मूलिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 865-ज-I-79/24133, दिनांक 4 जून, 1979 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती हृषीक और के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 3 अप्रैल, 1984

**क्रमांक 332-ज(II)-84/9658**—श्री रत्न श्री हरी चन्द, गांव रेनकपुरा (अब आजादगढ़), तहसील व जिला रोहतक की दिनांक 10 दिसम्बर, 1982 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रत्न श्री हरी चन्द की मूलिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 87-ज-(II)-71/29314, दिनांक 24 सितम्बर, 1971, तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मेहर कौर के नाम खरीफ, 1983 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शतों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 362-ज-(I)-84/9677**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री तेलू राम, पुत्र श्री नर्सू राम, गांव मुलाना पोस्ट अफिस मुलाना, तहसील व जिला अमृताला को रखी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150/- रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 392-ज-(II)-84/9681**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीभटी घोघड़ी देवी, विधवा श्री मंगत राम, गांव जोन्धी, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, को रखी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 391-ज-(II)-84/9687**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमति घोघड़ी देवी, विधवा श्री इन्डा राम, गांव जोन्धी, तहसील झज्जर, जिला रोहतक को रखी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

**क्रमांक 390-ज-(II)-84/9691**—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री हरि सिंह, पुत्र श्री चन्दगी राम गांव खिड्गाली तहसील व जिला रोहतक को रखी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शतों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।